विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 2-05-2021

वर्ग सप्तम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

प्रथमः पाठः

वार्तालापः(बातचीत करना)

1. पिता - अंकित! उत्तिष्ठ। एषा प्रभातवेला अस्ति।

   अंकित जागो ।यह प्रभात बेला का समय है।

   पुत्रः - उत्तिष्ठामि पिताश्री ! सादरं नमामि।

   जागता हूँ। पिताश्री सादर प्रणाम।

पिता - प्रातः जागरणं स्वास्थ्याय भवति।

सुबह वेला में जागना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

पुत्रः - भवान् कुत्र गच्छति?

आप कहां जाते हैं?

पिता - अधुना अहं प्रातः भ्रमणाय उधानं गच्छामि।

अब मैं सुबह को घूमने के लिए जा रहा हूँ।।

पुत्रः - अहम् अपि भवता सह चलामि।

मैं भी आपके साथ चलता हूँ।

पिता। - शोभनम्। प्रातः कालस्य भ्रमणेन शरीरं वलिष्ठं स्वस्थं च भवति।

बहुत अच्छा! सुबह के समय में घूमने से शरीर वलिष्ठ और स्वस्थप्रद होता है।